

इग्रुआ की शानदार छलांग, एफटीओ रैंकिंग में 25 वें से 5 वें स्थान पर पहुंचा

नैतिक आवाज संवाददाता



एग्रेसिव अमेटी। देश के अग्रणी पायलट प्रशिक्षण संस्थानों में शामिल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (इग्रुआ) ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी अप्रैल 2026 की फ्लाईंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (FTO) रैंकिंग में 25वें स्थान से सीधे 5वें स्थान पर पहुंचकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अकादमी की यह उपलब्धि पिछले एक वर्ष में किए गए व्यापक सुधारों और बेहतर प्रबंधन का परिणाम मानी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इग्रुआ ने अपने वार्षिक उड़ान प्रशिक्षण घंटों को 10,200 से

बढ़ाकर लगभग 23,000 घंटे कर दिया है। वहीं मासिक उड़ान प्रशिक्षण 850 घंटे से बढ़कर 2,100 घंटे तक पहुंच गया है। प्रति विमान उपयोग दर भी 65 घंटे से बढ़कर 161 घंटे प्रति माह हो गई है। संस्थान ने मानव संसाधन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। फ्लाईंग इंस्ट्रक्टरों की

संख्या में 100 प्रतिशत तथा ग्राउंड इंस्ट्रक्टरों में 50 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इसके साथ ही 1 सितंबर 2025 से निरंतर उड़ान संचालन सुनिश्चित किया गया है, जिसमें केवल प्रमुख त्योहारों पर ही अल्प अवकाश रखा

गया। विमान उपलब्धता में 40 प्रतिशत की वृद्धि, कार्यक्षमता में 100 प्रतिशत से अधिक सुधार तथा बुनियादी ढांचे में किए गए व्यापक विकास ने अकादमी के प्रदर्शन को नई ऊंचाई दी है। उल्लेखनीय है कि नागर विमानन मंत्रालय द्वारा विकसित एफटीओ रैंकिंग प्रणाली देश में

पायलट प्रशिक्षण को अधिक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और गुणवत्ता आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मंत्रालय के अनुसार, भारत में विमानन क्षेत्र के तेजी से विस्तार के चलते आगामी वर्षों में लगभग 30,000 नए पायलटों की आवश्यकता होगी, जिससे इस क्षेत्र में युवाओं के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे।

इग्रुआ की यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए बल्कि देश के विमानन प्रशिक्षण क्षेत्र के लिए भी एक सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के सुधार भारतीय उड़ान प्रशिक्षण प्रणाली को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होंगे।

IGRUA ranked as 5th best flying training unit

Isha.Jain@timesofindia.com

Lucknow: The second phase ranking of flying training organisations (FTOs) released last week by the Union ministry of civil aviation (MoCA) has put Amethi's Indira Gandhi Rashtriya Uran Akademi (IGRUA) at 5th position, thereby making significant progress from its previous ranking.

In Oct 2025, when the MoCA came up with the first FTO ranking, IGRUA bagged the 25th position. In all, 35 FTOs were evaluated on parameters including safety and compliance, operational efficiency and training outcomes such as trainee hours, assistance to students and instructor availability.

With rank 5, IGRUA has been placed in category B, meaning the FTO scored less than 70% but above 50%. In all, 17 FTOs achieved category B while only one made it to category A, securing above 70% but less than 85%. The remaining 17 FTOs were placed in category C, securing below 50%.

Director, IGRUA, Air Commodore Vipul Singh attributed an increase in aircraft utilisation rate – from 65 hours per month per aircraft to 161 hours per month per aircraft – and increase in strength of flying instructors as the top reasons for the great stride. “Between Jul and Nov last year, we increased the strength of flying instructors by 100% and ground instructors by 50%,” Singh said.

He added that since Sep 1, 2025, there has been non-stop flying with only two breaks, one each on Diwali and Holi, at IGRUA.

Founded in Nov 1985 by the then PM Rajiv Gandhi, IGRUA is the oldest FTO in the country and has over 400 candidates who are undergoing training at present.

The ranking is being published bi-annually. Civil aviation minister Ram Mohan Naidu said that the objective in introducing an FTO ranking system in the country is to make pilot training more transparent and flying a more attractive career option.